

TYBA कोचिंग सेंटर (TYBA Coaching Center)

राजस्थान CET (12वीं स्तर) सम्पूर्ण थ्योरी नोट्स: राजस्थान सामान्य ज्ञान (GK)

विषय: राजस्थान का इतिहास, कला-संस्कृति, भूगोल एवं राजव्यवस्था

कोड: CET-GK-01

हेल्पलाइन: 6367029449

1. राजस्थान की प्राचीन सभ्यताएं (Ancient Civilizations of Rajasthan)

Kalibangan (Hanumangarh): Situated on the banks of Ghaggar river, discovered by Amlanand Ghosh (1952) and excavated by B.B. Lal and B.K. Thapar (1961-69). It literally means 'Black Bangles'. Notable for ploughed agricultural fields (sarson + chana), 7 fire altars, world's earliest earthquake evidence, wooden drains, and a child's skull indicating trepanation surgery. Dasharatha Sharma called it the 3rd capital of Harappa and 'Deen-Heen Basti'.

कालीबंगा (हनुमानगढ़): घग्घर नदी के किनारे स्थित है। 1952 में अमलानंद घोष ने खोजा और 1961-69 में बी.बी. लाल व बी.के. थापर ने खुदाई की। इसका अर्थ 'काले रंग की चूड़ियां' है। यहां विश्व में जुते हुए खेत का प्राचीनतम साक्ष्य (चना और सरसों), 7 हवन कुंड, भूकंप का पहला साक्ष्य, लकड़ी की नाली और शल्य चिकित्सा (सिर की सर्जरी) का साक्ष्य मिला। डॉ. दशरथ शर्मा ने इसे हड़प्पा की 'तीसरी राजधानी' और 'दीन-हीन बस्ती' कहा था।

Ahar (Udaipur): Situated on Ahar (Bedach) river in the Banas basin (Banas Culture). Known as Tamravati Nagari, Dhulkot, and Aghatpur. Excavated by Akshay Kirti Vyas, R.C. Agrawal, and H.D. Sankhalia. Known for copper smelting furnaces, Black & Red Ware pottery, terracotta 'Banasian Bull', multi-chulha kitchens (joint families), and an Apollo coin showing Greek trade.

आहड़ (उदयपुर): बेड़च नदी (बनास बेसिन) के किनारे स्थित है, इसलिए इसे बनास संस्कृति भी कहते हैं। इसे 'ताम्रवती नगरी', 'धूलकोट' और 'आघाटपुर' भी कहा जाता है। यहां तांबा गलाने की भट्टियां, लाल-काले मृद्भांड, 'बनासियन बुल' (मिट्टी का बैल), संयुक्त परिवार के 4-6 चूल्हे और यूनानी देवता अपोलो अंकित सिक्का मिला।

Ganeshwar (Neem Ka Thana): Located on Kantli river. Called 'Mother of Copper Civilizations' and 'Pushkar of Archaeology' (dated ~2800 BCE). Copper tools with 99% purity were supplied to Indus Valley sites. Unique for copper fishing hooks, stone houses, and stone flood dam.

गणेश्वर (नीम का थाना): कांतली नदी पर स्थित है। इसे 'ताम्रयुगीन सभ्यताओं की जननी' और 'पुरातत्व का पुष्कर' कहा जाता है। यहां 99% शुद्ध तांबे के औजार मिले जो सिंधु घाटी को भेजे जाते थे। तांबे का मछली पकड़ने का कांटा और पत्थरों के मकान व बांध इसकी मुख्य पहचान हैं।

Bairat (Kotputli-Behror): Capital of Matsya Janapada (Viratnagar) on Banganga river. Excavated by Dayaram Sahni. Site of Ashoka's Bhabru Inscription (discovered by Capt. Burt, 1837), circular Buddhist temple, and 36 silver coins (including 16 of Menander) wrapped in cotton cloth. Visited by Xuanzang (634 CE).

बैराठ (कोटपूतली-बहरोड़): बाणगंगा नदी पर प्राचीन मत्स्य जनपद की राजधानी (विराटनगर)। दयाराम साहनी द्वारा उत्खनित। कैप्टन बर्ट द्वारा खोजा गया सम्राट अशोक का भाब्रू शिलालेख, गोल बौद्ध मंदिर और कपड़े में लिपटे 36 चांदी के सिक्के (16 मिनेण्डर के) मिले। ह्वेनसांग ने 634 ई. में इसकी यात्रा की थी।

2. राजस्थान का एकीकरण: सात चरण (Integration of Rajasthan: 7 Stages)

चरण (Stage)	संघ का नाम (Name)	दिनांक (Date)	शामिल रियासतें (Princely States)	राजप्रमुख / प्रधानमंत्री
प्रथम (1st)	मत्स्य संघ (Matsya Union)	18 मार्च 1948	अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली + नीमराणा	राजप्रमुख: उदयभान सिंह (धौलपुर) PM: शोभाराम कुमावत (अलवर)
द्वितीय (2nd)	पूर्व राजस्थान संघ	25 मार्च 1948	कोटा, बूंदी, झालावाड़, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, टोंक, किशनगढ़, शाहपुरा + कुशलगढ़	राजप्रमुख: भीम सिंह (कोटा) PM: गोकुल लाल असावा (शाहपुरा)
तृतीय (3rd)	संयुक्त राजस्थान	18 अप्रैल 1948	पूर्व राजस्थान संघ + उदयपुर (मेवाड़)	राजप्रमुख: भूपाल सिंह (उदयपुर) PM: माणिक्य लाल वर्मा

चरण (Stage)	संघ का नाम (Name)	दिनांक (Date)	शामिल रियासतें (Princely States)	राजप्रमुख / प्रधानमंत्री
चतुर्थ (4th)	बृहत् राजस्थान	30 मार्च 1949 (राजस्थान दिवस)	संयुक्त राजस्थान + जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, जैसलमेर + लावा	महाराजप्रमुख: भूपाल सिंह, राजप्रमुख: मानसिंह II (जयपुर) PM: हीरालाल शास्त्री
पंचम (5th)	संयुक्त बृहत् राजस्थान	15 मई 1949	बृहत् राजस्थान + मत्स्य संघ (शंकरराव देव समिति की सिफारिश पर)	राजप्रमुख: मानसिंह II PM: हीरालाल शास्त्री
षष्ठम (6th)	राजस्थान संघ	26 जनवरी 1950	संयुक्त बृहत् राजस्थान + सिरोंही (आबू-देलवाड़ा को छोड़कर)	मुख्यमंत्री: हीरालाल शास्त्री (संविधान लागू)
सप्तम (7th)	वर्तमान राजस्थान	1 नवम्बर 1956	आबू-देलवाड़ा, अजमेर-मेरवाड़ा, सुनेल टप्पा शामिल; सिरोंज म.प्र. को दिया गया	राज्यपाल: गुरुमुख निहाल सिंह CM: मोहनलाल सुखाड़िया (राज्य पुनर्गठन आयोग)

3. राजस्थान का भूगोल एवं भौतिक प्रदेश (Physical Geography of Rajasthan)

Four Physical Divisions: 1. Western Sandy Desert (61.11% area, 40% population, Thar desert). 2. Aravalli Mountain Range (9% area, 10% population, oldest fold mountain, highest peak Guru Shikhar 1722m). 3. Eastern Plains (23% area, 39% population, fertile Chambal-Banas basin). 4. South-Eastern Hadoti Plateau (6.89% area, 11% population, black volcanic cotton soil).

चार भौतिक विभाग: 1. थार का मरुस्थल (61.11% क्षेत्रफल, 40% आबादी, विश्व का सर्वाधिक जैव-विविधता वाला मरुस्थल)। 2. अरावली पर्वतमाला (9% क्षेत्रफल, 10% आबादी, विश्व की प्राचीनतम वलित पर्वतमाला, सर्वोच्च चोटी गुरुशिखर 1722 मी.)। 3. पूर्वी मैदान (23% क्षेत्रफल, 39% आबादी, चंबल-बनास-बाणगंगा बेसिन, सबसे उपजाऊ)। 4. हाड़ौती का पठार (6.89% क्षेत्रफल, 11% आबादी, काली कपासी मिट्टी, चंबल व सहायक नदियाँ)।

4. राजस्थान की प्रशासनिक एवं राजनीतिक व्यवस्था (Administrative System)

Governor & Executive: The Governor is appointed under Article 155. Chief Minister is appointed under Article 164. Rajasthan Legislative Assembly has 200 seats (Unicameral). Rajasthan High Court is situated at Jodhpur with a permanent bench at Jaipur (established 1949, first CJ Kamal Kant Verma). RPSC is headquartered at Ghooghra Ghati, Ajmer (established 20 August 1949 under Art 315).

राज्यपाल एवं कार्यपालिका: राज्यपाल की नियुक्ति अनुच्छेद 155 के तहत राष्ट्रपति करते हैं। मुख्यमंत्री की नियुक्ति राज्यपाल करते हैं (अनु. 164)। राजस्थान में एकसदनीय विधानसभा है जिसमें 200 सीटें हैं। राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर में है और इसकी जयपुर पीठ 1977 में बनी (प्रथम मुख्य न्यायाधीश कमलकांत वर्मा)। RPSC का मुख्यालय घूघरा घाटी अजमेर में है (स्थापना 20 अगस्त 1949)।